॥ श्री गणेशाय नमः ॥

कुंडली मिलान

GROOM

22/7/1985 7:45AM
Raigarh, Chhattisgarh 496001, India

BRIDE

5/10/1993 10:42PM
Kharsia, Chhattisgarh 496661, India

निर्मित

FORTUNE TELLER

कुंडली मिलान का महत्व

ज्योतिष शास्त्र, विश्व में और प्रत्येक प्राणी की जीवनधारा में हर पल घटने वाली संभाव्य घटनाओं का अनुमान के आधार पर संभाव्य विवरण प्रस्तुत करता है। गृहस्थ आश्रम में प्रवेश हेतु विवाह आवश्यक है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार किसी जातक की प्रकृति ,अभिरुचि ,उसका व्यक्तित्व और उसका व्यव्हार उसके जन्म नक्षत्र और राशी के आधार पर निर्धारित होता हैं। इसी आधार पर वर -वधु के जन्म नक्षत्र और जन्म राशी का मिलान करना गुण मिलान कहलाता हैं। गुण मिलान के आधार पर जाना जाता हैं की दोनों में परस्पर कैसा सम्बन्ध रहेगा।

कुंडली मिलान एक प्राचीन प्रणाली है जिसके द्वारा संभावित वर-वधू के आपसी तालमेल का आकलन किया जाता है। वर-वधू के वैवाहिक जीवन को सुखद और अनुकूल बनाने के लिए यह पहला कदम होता है। विवाह के उपरांत वर/कन्या को भविष्य में समस्याओं का सामना न करना पड़े इसलिए विवाह पूर्व वर/कन्या के माता-पिता, दोनों की जन्मकुण्डली का मिलान करवाते है, जोकि अति आवश्यक है|

प्रस्तुत कुंडली मिलान रिपोर्ट में सभी प्रमुख जन्मपत्रिका मिलान के विधियों का प्रयोग एवं विश्लेषण किया गया है। इनमे अष्टकूट मिलान, दशकूट मिलान, मांगलिक मिलान, रज्जु व वेध दोष विश्लेषण के साथ ही उनके फल भी दिए गए हैं।

सामान्य विवरण

Groom	गुण	Bride
22/7/1985	जन्म दिनांक	5/10/1993
7:45	जन्म समय	22:42
21 N 53	अक्षांश	21 E 59
83 N 23	देशांतर	83 E 05
+5:30	समय क्षेत्र	+5:30
5:24:38	सूर्योदय	5:50:2
18:40:46	सूर्यास्त	17:41:47
NaN:NaN:NaN	अयनांश	NaN:NaN:NaN

ज्योतिषीय विवरण

Groom	गुण	Bride
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
वनचर	वश्य	चतुष्पद
गौ	योनि	सर्प
मनुष्य	गण	मनुष्य
आदि	नाड़ी	अंत्य
सूर्य	राशि स्वामी	शुक्र
उत्तर फाल्गुनी	नक्षत्र	रोहिणी
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
1	चरण	1
परिघ	योग	सिद्धि
बावा	करण	कौलव
शुक्ल पंचमी	तिथि	कृष्ण पंचमी
मध्य	युञ्जा	पूर्वा
अग्नि	तत्त्व	पृथ्वी
ते	नामाक्षर	ओ
चांदी	पाया	लोहा

fortune-teller.in

ग्रह स्थिति

Groom ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	भाव
सूर्य	--	कर्क	05:34:38	चन्द्र	पुष्य	शनि	12
चन्द्र	--	सिंह	27:38:18	सूर्य	उत्तर फाल्गुनी	सूर्य	1
मंगल	--	कर्क	04:21:27	चन्द्र	पुष्य	शनि	12
बुध	--	सिंह	00:14:27	सूर्य	मघा	केतु	1
गुरु	R	मकर	20:04:58	शनि	श्रावण	चन्द्र	6
शुक्र	--	वृष	23:36:21	शुक्र	मृगशिरा	मंगल	10
शनि	R	तुला	27:49:35	शुक्र	विशाखा	गुरु	3
राहु	R	मेष	20:47:41	मंगल	भरणी	शुक्र	9
केतु	R	तुला	20:47:41	शुक्र	विशाखा	गुरु	3
लग्न	--	सिंह	05:54:23	सूर्य	मघा	केतु	1

Bride ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	भाव
सूर्य	--	कन्या	18:41:57	बुध	हस्त	चन्द्र	4
चन्द्र	--	वृष	12:40:44	शुक्र	रोहिणी	चन्द्र	12
मंगल	--	तुला	12:04:30	शुक्र	स्वाति	राहु	5
बुध	--	तुला	12:17:27	शुक्र	स्वाति	राहु	5
गुरु	--	कन्या	28:31:27	बुध	चित्रा	मंगल	4
शुक्र	--	सिंह	23:30:41	सूर्य	पूर्व फाल्गुनी	शुक्र	3
शनि	R	कुम्भ	00:16:51	शनि	धनिष्ठा	मंगल	9
राहु	R	वृश्चिक	11:56:41	मंगल	अनुराधा	शनि	6
केतु	R	वृष	11:56:41	शुक्र	रोहिणी	चन्द्र	12
लग्न	--	मिथुन	11:17:52	बुध	आर्द्रा	राहु	1

fortune-teller.in

जन्म कुंडली

लग्न कुंडली

Groom

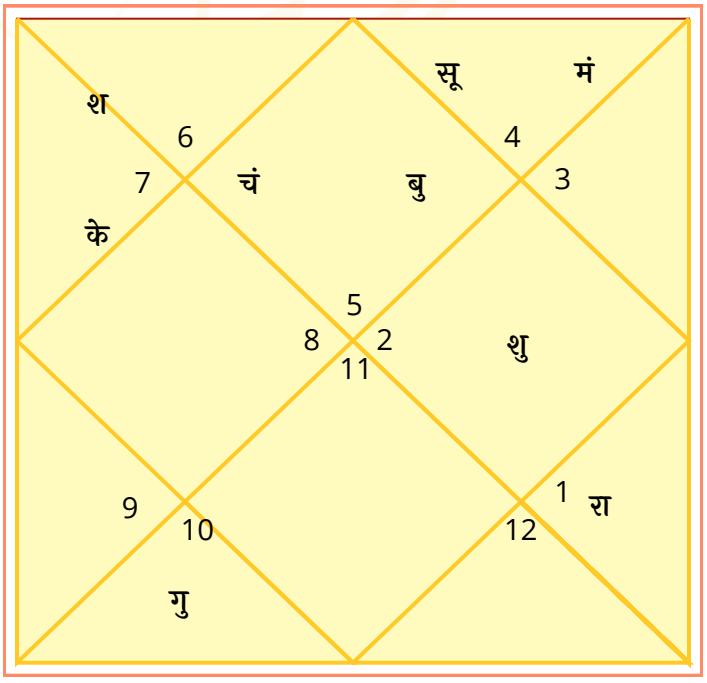

Bride

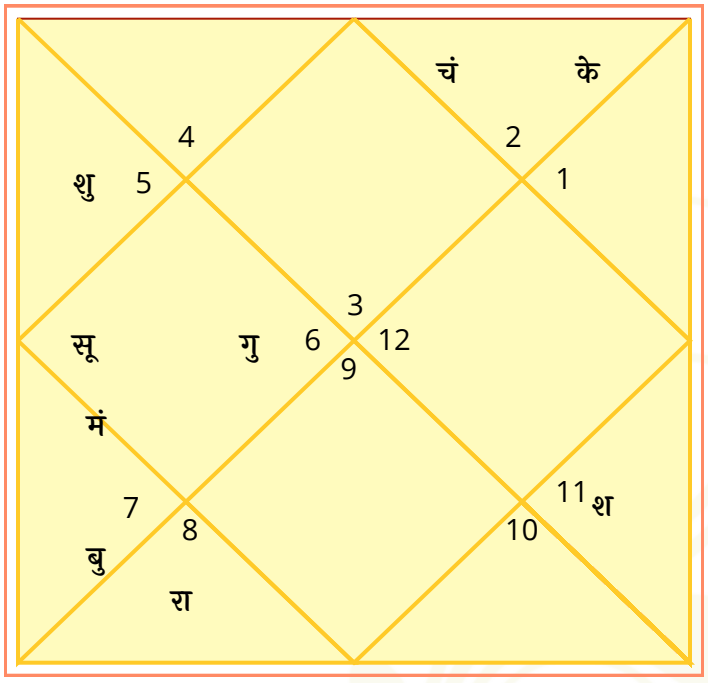

चलित कुंडली

Groom

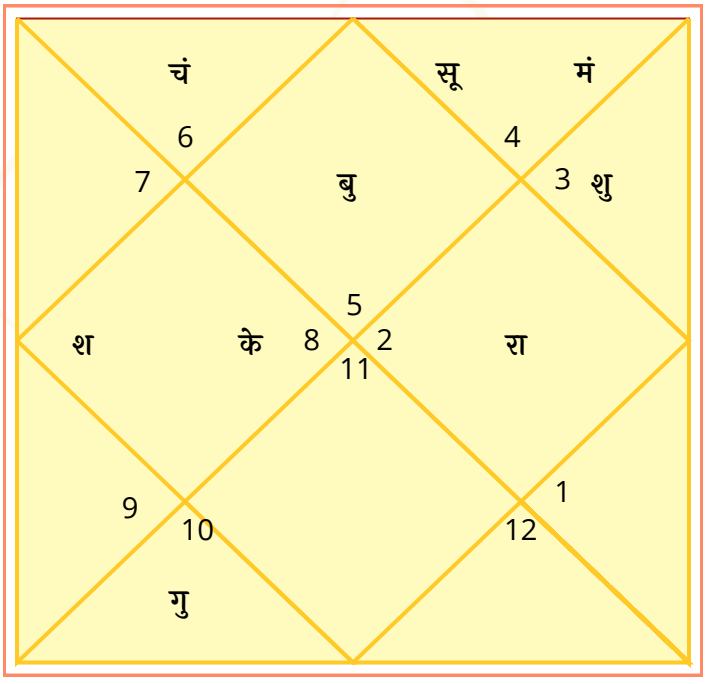

Bride

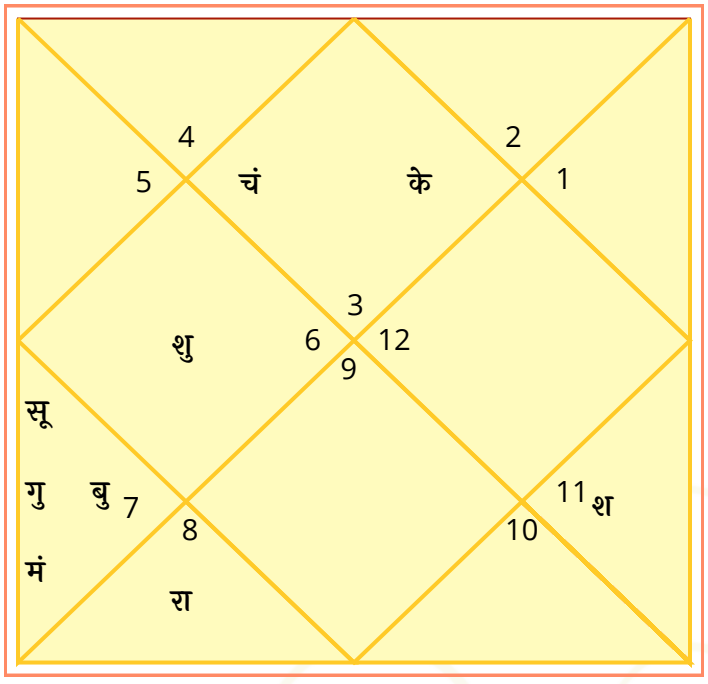

fortune-teller.in

चंद्र कुंडली

Groom

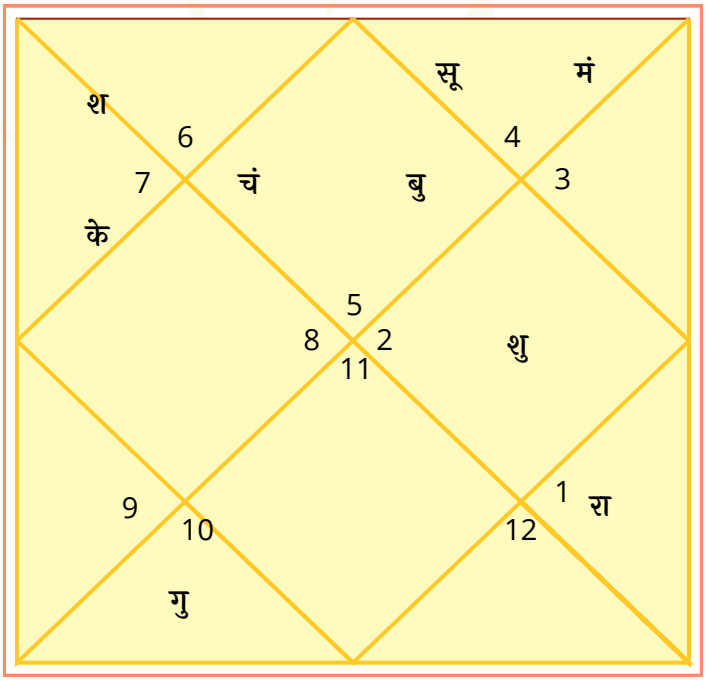

Bride

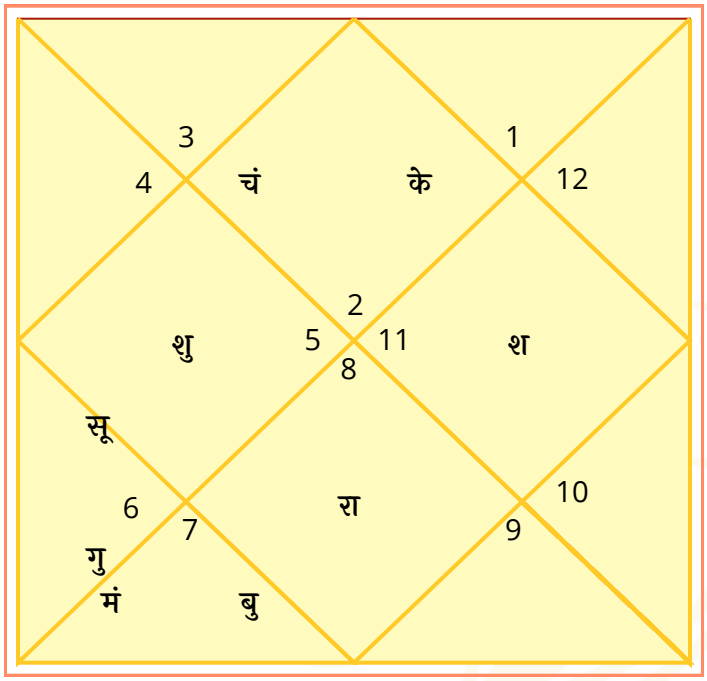

नवमांश कुंडली

Groom

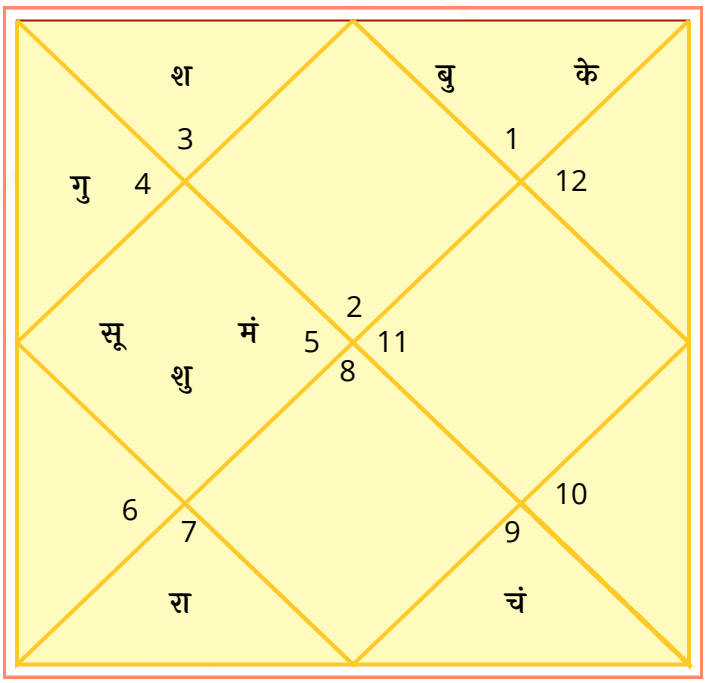

Bride

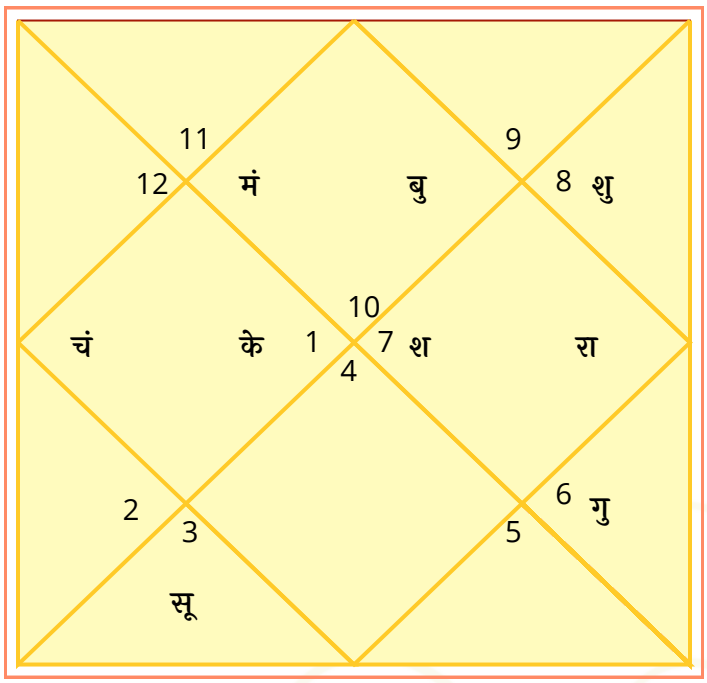

fortune-teller.in

वर्त्तमान दशा

महादशा

सूर्य	
सूर्य	13-02-1991 01:47
चन्द्र	12-02-2001 13:47
मंगल	13-02-2008 07:47
राहु	12-02-2026 19:47
गुरु	12-02-2042 19:47
शनि	12-02-2061 13:47
बुध	12-02-2078 19:47
केतु	12-02-2085 13:47
शुक्र	13-02-2105 13:47

अंतर दशा

सूर्य > राहु	
राहु	26-10-2010 11:59
गुरु	21-03-2013 02:23
शनि	26-01-2016 01:29
बुध	14-08-2018 10:47
केतु	01-09-2019 23:05
शुक्र	01-09-2022 17:05
सूर्य	27-07-2023 10:29
चन्द्र	25-01-2025 07:29
मंगल	12-02-2026 19:47

प्रत्यंतर दशा

सूर्य > राहु > केतु	
केतु	05-09-2018 19:42
शुक्र	08-11-2018 17:45
सूर्य	27-11-2018 21:58
चन्द्र	29-12-2018 20:59
मंगल	21-01-2019 05:54
राहु	19-03-2019 18:33
गुरु	09-05-2019 21:48
शनि	09-07-2019 15:08
बुध	01-09-2019 23:05

सूक्ष्म दशा

सूर्य > राहु > केतु > राहु	
राहु	29-01-2019 21:00
गुरु	06-02-2019 13:05
शनि	15-02-2019 15:42
बुध	23-02-2019 19:17
केतु	27-02-2019 03:49
शुक्र	08-03-2019 17:56
सूर्य	11-03-2019 14:58
चन्द्र	16-03-2019 10:01
मंगल	19-03-2019 18:33

fortune-teller.in

वर्त्तमान दशा

महादशा

चन्द्र

चन्द्र	02-10-2001 14:07
मंगल	02-10-2008 08:07
राहु	02-10-2026 20:07
गुरु	02-10-2042 20:07
शनि	02-10-2061 14:07
बुध	02-10-2078 20:07
केतु	02-10-2085 14:07
शुक्र	03-10-2105 14:07
सूर्य	04-10-2111 02:07

अंतर दशा

चन्द्र > राहु

राहु	15-06-2011 12:19
गुरु	08-11-2013 02:43
शनि	14-09-2016 01:49
बुध	03-04-2019 11:07
केतु	20-04-2020 23:25
शुक्र	21-04-2023 17:25
सूर्य	15-03-2024 10:49
चन्द्र	14-09-2025 07:49
मंगल	02-10-2026 20:07

प्रत्यंतर दशा

चन्द्र > राहु > बुध

बुध	24-01-2017 00:33
केतु	19-03-2017 08:29
शुक्र	21-08-2017 14:02
सूर्य	07-10-2017 03:42
चन्द्र	23-12-2017 18:28
मंगल	16-02-2018 02:25
राहु	05-07-2018 19:25
गुरु	06-11-2018 23:51
शनि	03-04-2019 11:07

सूक्ष्म दशा

चन्द्र > राहु > बुध > शनि

शनि	30-11-2018 08:14
बुध	21-12-2018 05:38
केतु	29-12-2018 20:06
शुक्र	23-01-2019 09:58
सूर्य	30-01-2019 18:56
चन्द्र	12-02-2019 01:52
मंगल	20-02-2019 16:20
राहु	14-03-2019 19:13
गुरु	03-04-2019 11:07

fortune-teller.in

मांगलिक दोष क्या होता है

जिस जातक की जन्म कुंडली, लग्न/चंद्र कुंडली आदि में मंगल ग्रह, लग्न से प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भावों में से कहीं भी स्थित हो, तो उसे मांगलिक कहते हैं।

कुण्डली में जब लग्न भाव, चतुर्थ भाव, सप्तम भाव, अष्टम भाव और द्वादश भाव में मंगल स्थित होता है तब कुण्डली में मंगल दोष माना जाता है। सप्तम भाव से हम दाम्पत्य जीवन का विचार करते हैं। अष्टम भाव से दाम्पत्य जीवन के मांगलीक सुख को देखा जाता है। मंगल लग्न में स्थित होने से सप्तम भाव और अष्टम भाव दोनों भावों को दृष्टि देता है। चतुर्थ भाव में मंगल के स्थित होने से सप्तम भाव पर मंगल की चतुर्थ पूर्ण दृष्टि पड़ती है। द्वादश भाव में यदि मंगल स्थित है तब अष्टम दृष्टि से सप्तम भाव को देखता है।

मूल रूप से मंगल की प्रकृति के अनुसार ऐसा ग्रह योग हानिकारक प्रभाव दिखाता है, लेकिन वैदिक पूजा-प्रक्रिया के द्वारा इसकी भीषणता को नियंत्रित कर सकते है। मंगल ग्रह की पूजा के द्वारा मंगल देव को प्रसन्न किया जाता है, तथा मंगल द्वारा जनित विनाशकारी प्रभावों, सर्वारिष्ट को शांत व नियंत्रित कर सकारात्मक प्रभावों में वृद्धि की जा सकती है।

मांगलिक दोष प्रभाव

- मंगल ग्रह की पहले भाव में स्थिति:

लग्न में मंगल हो तो स्वास्थ्य पर दुषप्रभाव पड़ता हैं, व्यक्ति स्वभाव से उग्र एवं जिद्दी होता है। मंगल के दुश प्रभाव से पति या पत्नी से दूरियां अथवा तलाक भी हो सकता है ! सातवी दृष्टि के कारण जीवन साथी को किसी धारदार हथियार से चोट की आशंका भी बनी रहती है !

- मंगल ग्रह की द्वितीय भाव में स्थिति :

मंगल दुसरे स्थान पर होने से परिवार में सदस्यों की बढ़ोतरी नहीं होती ! इस प्रकार या तो विवाह देर से होता है या होता ही नहीं, कई बार विवाह के उपरान्त संतान उत्पत्ति में रुकावटे आती है!

- मंगल ग्रह की चतुर्थ भाव में स्थिति:

इस घर में मंगल के दुश प्रभाव से जातक के विवाहित जीवन में आने वाली खुशियाँ मनो ख़त्म सी हो जाती है, विवाह हो जाने के बावजूद विवाह का सुख नहीं मिलता ! चौथे भाव पर मंगल के दुश प्रभाव से जीवन साथी से दूरियां अथवा तलाक भी हो सकता है !

- मंगल ग्रह की सप्तम भाव में स्थिति:

सातवें स्थान में स्थिति मंगल दाम्पत्य सुख (रति सुख) की हानि तथा पत्नी के स्वास्थ्य को भी हानि पहुँचाता है। इस स्थान में स्थित मंगल की दशवें एवं दूसरे भाव पर दृष्टि पड़ती है। दशम से अजीविका का तथा द्वितीय स्थान से कुटुम्ब का विचार किया जाता है। अतः इस स्थान में स्थित मंगल आजीविका एवं कुटुम्ब पर भी अपना प्रभाव डालता है।

- मंगल ग्रह की अष्टम भाव में स्थिति:

कुंडली का आठवा घर जीवन साथी की उम्र से सम्बंधित होता है ! इस घर में मंगल के आने से जीवन साथी की कम आयु का खतरा बना रहता है! इस प्रकार आठवे घर में मंगल दोष होने से विवाहित जीवन पर दुश प्रभाव पड़ता है!

- मंगल ग्रह की बारहवे भाव में स्थिति:

जिस जातक की कुंडली के बारहवे घर में मंगल होता है वह जातक अधिक व्याभिचारी होता है, जिस कारण से जातक कई लोगो के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाता है तथा किसी भयंकर गुप्त अंगो की बिमारी से ग्रिस्त हो जाता है!

fortune-teller.in

Groom मांगलिक विश्लेषण

भाव के आधार पर

सूर्य द्वादश भाव में कुंडली में स्थित है।

द्वादश भाव में मंगल अवस्थित है।

दृष्टि के आधार पर

आपकी कुंडली में लग्न भाव को राहु देख रहा है।

आपके कुंडली के द्वादश भाव को शनि देख रहा है।

सप्तम भाव मंगल से दृष्ट है।

सप्तम भाव केतु से दृष्ट है।

मांगलिक विश्लेषण

कुल मांगलिक प्रतिशत	10.25%

मांगलिक फल

कुंडली में मांगलिक दोष है परन्तु मांगलिक दोष का प्रभाव बहुत कम होने से किसी हानि की अपेक्षा नहीं है । ये कहा जा सकता है की कुंडली में कोई मांगलिक दोष नहीं है ।

fortune-teller.in

Bride मांगलिक विश्लेषण

भाव के आधार पर

सूर्य चतुर्थ भाव में कुंडली में स्थित है।

पंचम भाव में मंगल अवस्थित है।

केतु आपके कुंडली में द्वादश भाव में है।

दृष्टि के आधार पर

आपके कुंडली का चतुर्थ भाव केतु से दृष्ट है।

राहु की दृष्टि आपके कुडंली के द्वितीय भाव पर पड़ रही है।

आपके कुंडली के द्वादश भाव को मंगल देख रहा है।

आपके कुंडली के द्वादश भाव को राहु देख रहा है।

मंगल , आपके कुंडली के अष्टम भाव को देख रहा है।

केतु , आपके कुंडली के अष्टम भाव को देख रहा है।

मांगलिक विश्लेषण

कुल मांगलिक प्रतिशत	22.75%

मांगलिक फल

कुंडली में मांगलिक दोष है परन्तु मांगलिक दोष का प्रभाव बहुत कम होने से किसी हानि की अपेक्षा नहीं है । कुछ साधारण उपायो की मदद से इसे और कम किया जा सकता है।

fortune-teller.in

मांगलिक विश्लेषण

Groom मांगलिक विवरण

कुल मांगलिक प्रतिशत - **10.25%**

Bride मांगलिक विवरण

कुल मांगलिक प्रतिशत - **22.75%**

मांगलिक मिलान परिणाम

लड़का मांगलिक नहीं है; और न ही लड़की मांगलिक है। दोनों कुंडलियों में मंगल दोष अनुपस्थित होने के कारण भविष्य में उनके वैवाहिक जीवन पर कोई कुप्रभाव नहीं पड़ेगा यह विवाह किया जा सकता है।

fortune-teller.in

अष्टकूट विवरण

अष्टकूट क्या होता है?

कुण्डली मिलान की अष्टकूट पद्धति में, गुणों की अधिकतम संख्या ३६ है। वर और कन्या के बीच गुण अगर ३१ से ३६ के मध्य में हो तो उनका मिलाप अति उत्तम होता है। गुण अगर २१ से ३० के मध्य में हो तो वर और कन्या का मिलाप बहुत अच्छा होता है। गुण अगर १७ से २० के मध्य में हो तो वर और कन्या का मिलाप साधारण होता है और गुण अगर ० से १६ के मध्य में हो तो इसे अशुभ माना जाता है।

आठो कूट इस प्रकार से हैं - १) वर्ण २) वश्य ३) तारा ४) योनि ५) ग्रह मैत्री ६) गण ७) भकूट और ८) नाडी

वर्ण	वश्य	तारा	योनि
ग्रह मैत्री	गण	भकूट	नाड़ी

अष्टकूट मिलान विधि:

अष्टकुट मतलब ८ अलग-अलग कुटो का मिलान। इन सभी कुटो के मिलान में जन्म नक्षत्र और जन्म राशि का उपयोग किया जाता है।

अष्टकूट के आठों कूट इस प्रकार हैं :

वर्ण – जातक के वर्ण से उसकी कार्य क्षमता , व्यक्तित्व , आचरण- व्यावहार तथा उससे जुड़ी हुई कई प्रमुख बातों का पता चल जाता है ।

वश्य – वर / कन्या की अभिरुचि तथा शारीरिक ,मानसिक ,भावनात्मक प्रकृति को दर्शाता है ।

तारा – तारा कूट वर – कन्या के वैचारिक मतभेद , विरोधात्मकता , धन की स्थिति व आपसी रिश्तों में सहजता को दर्शाता है ।

योनि – योनी वर - कन्या के आपसी व्यावहार विचार , रहन-सहन ,इत्यादि को दर्शाता है । यह शारीरिक आकर्षण तथा लैंगिक अनुकूलता (मूल वृत्ती) भी दर्शाता है ।

ग्रह मैत्री – यह दर्शाता है वर-कन्या की मनोवृत्ती एवं स्वभाव के तालमेल को । ग्रह मैत्री मनोवैज्ञानिक स्वभाव के विश्लेषण का सबसे अच्छा उपकरण है ।

– गण दर्शाता है , परस्पर प्रेम , सामंजस्य , सौमनस्यता, मनोदशा , एक दूसरे के प्रति आकर्षण और लगाव को ।

भकूट – यह दर्शाता है : पारस्परिक आकर्षण , अनुराग , आसक्ति स्नेह एवं रचनात्मकता तथा सृजनात्मकता ।

नाड़ी – दर्शाता है – हर्षोउल्लास का संतुलन , नाड़ी अर्थात – नब्ज जो हमारे शरीर की तांत्रिक उर्जा का प्रतिनिधि होता है तथा स्मरणशक्ति चेतना का संचालन यहीं से होता है ।

fortune-teller.in

अष्टकूट

गुण	विवरण	पुरुष	स्त्री	कुल	प्राप्त
वर्ण	कार्य क्षमता और व्यक्तित्व	क्षत्रिय	वैश्य	1	1
वश्य	व्यक्तिगत संबंध	वनचर	चतुष्पद	2	0
तारा	समृद्धि और भाग्य	उत्तर फाल्गुनी	रोहिणी	3	3
योनि	अंतरंग सम्बन्ध	गौ	सर्प	4	1
ग्रह मैत्री	मैत्री मेल	सूर्य	शुक्र	5	0
गण	सामाजिक दायित्व	मनुष्य	मनुष्य	6	6
भकूट	रचनात्मक क्षमता	सिंह	वृष	7	7
नाड़ी	संतान	आदि	अंत्य	8	8
कुल	-	-	-	36	26

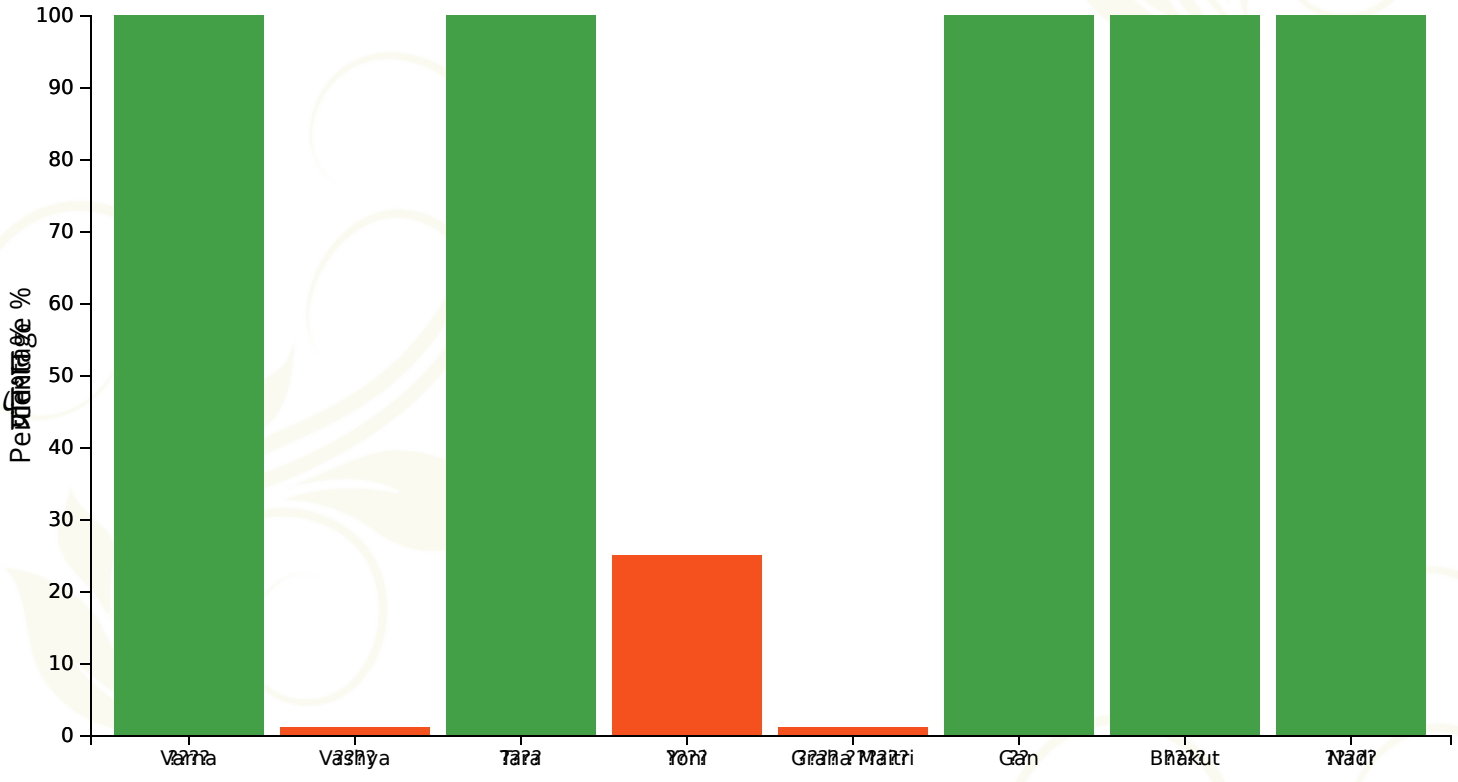

fortune-teller.in

वेध दोष क्या होता है ?

वेध तकनीक का प्रयोग जोड़ी के पूरी तरह से एक साथ आने से रोकने वाले अत्यधिक अवरोधों के निर्धारण के लिए किया जाता है। रिश्ते को प्रभावित कर सकने वाले दो प्रमुख महा-दोषो में से एक है।

वेध दोष विश्लेषण

उपस्थित नहीं है।

लड़के के नक्षत्र और लड़की के नक्षत्र के बीच में कोई वेध दोष है।

fortune-teller.in

भकूट क्या होता है?

भकूट राशियों के अंतर पर आधारित होता है भकूट का अर्थ ही है , राशियों का समूह भकूट को अधिकतम 7 गुण दिए गए हैं । यह दर्शाता है : पारस्परिक आकर्षण , अनुराग , आसक्ति स्नेह एवं रचनात्मकता तथा सृजनात्मकता । वर- कन्या की राशियाँ यदि एक दूसरे से 6 - 8 , 5 – 9 या 2 – 12 हो तो भकूट दोष लगता है और 0 (शून्य) अंक प्राप्त होते हैं । उपर्युक्त तीनों दोषों को छोड़कर अन्य सभी जोड़ियों को 7 अंक प्राप्त है ।

भकूट दोष विश्लेषण

Groom
सिंह

Bride
वृष

भकूट दोष उपस्थित नहीं है।

fortune-teller.in

नाड़ी क्या होता है?

नाड़ी : दर्शाता है – हर्षोउल्लास का संतुलन , नाड़ी अर्थात – नब्ज जो हमारे शरीर की तांत्रिक उर्जा का प्रतिनिधि होता है तथा स्मरणशक्ति चेतना का संचालन यहीं से होता है ।

नाड़ियाँ 3 प्रकार की होती है :1) आदय - वात नाड़ी, 2) मध्य - पित्त नाड़ी , 3)अन्त्य - कफ नाड़ी । वर और कन्या की नाड़ी भिन्न होनी चाहिए । यदि दोनों की नाड़ियाँ एक हुई तो कई दुष्परिणाम देखे जाते हैं , जैसे संतति से संबंधित परेशानियाँ । संतान शारीरिक , मानसिक रूप से अस्वस्थ रहती है , संतान में प्रखर बुद्धि , चेतना स्मरणशक्ति का अभाव रहता है ।

नाड़ी दोष उपस्थित होने पर क्या प्रभाव होता है

गुण मिलान करते समय यदि वर और वधू की नाड़ी अलग-अलग हो तो उन्हें नाड़ी मिलान के 8 में से 8 अंक प्राप्त होते हैं, जैसे कि वर की आदि नाड़ी तथा वधू की नाड़ी मध्या अथवा अंत। किन्तु यदि वर और वधू की नाड़ी एक ही हो तो उन्हें नाड़ी मिलान के 8 में से 0 अंक प्राप्त होते हैं तथा इसे नाड़ी दोष का नाम दिया जाता है। नाड़ी दोष की प्रचलित धारणा के अनुसार वर-वधू दोनों की नाड़ी आदि होने की स्थिति में तलाक या अलगाव की प्रबल संभावना बनती है तथा वर-वधू दोनों की नाड़ी मध्य या अंत होने से वर-वधू में से किसी एक या दोनों की मृत्यु की प्रबल संभावना बनती है।

नाड़ी दोष विश्लेषण

Groom
आदि

Bride
अंत्य

नाडी दोष उपस्थित नहीं है।

fortune-teller.in

अष्टकूट विश्लेषण - I

कार्य क्षमता और व्यक्तित्व

वर्ण - 1/1

क्रियाशीलता सामान्य बनी रहेगी । साहसिक कार्य एवं किसी की रक्षा करना यह गुण विद्यमान रहेगा । मानसिक विचार बहुत अधिक मेल नहीं खाएगा एक-दूसरे से । संबंध सामान्य रहेगा ।

व्यक्तिगत संबंध

वश्य - 0 / 2

दोनों एक-दूसरे का मित्र बनकर तो रहेंगे पर आकर्षण सामान्य रहेगा । मानसिक एवं भावनात्मक रूप से भी दोनों में अधिक अंतर नहीं होगा । वैचारिक मतभेद न के बराबर होंगे और न मनमुटाव होगा ।

समृद्धि और भाग्य

तारा - 3 / 3

जीवन में दौलत की कोई कमी नहीं रहेगी । दौलत इतने होंगे की इनकी गिनती अमीरों में होगी, एवं नाम भी मिलेगा । दोनों एक-दूसरे साथ रहकर काफ़ी सहज महसूस करेंगे । संबंध में मधुरता जीवन भर बनी रहेगी । विचार हमेशा सुंदर रहेंगे ।

अंतरंग सम्बन्ध

योनि - 1 / 4

एक-दूसरे के प्रति आकर्षण नहीं होगा । रहन-सहन बिलकुल ही अलग रहेगा । व्यावहर भी मेल नहीं खाएगा और लड़ाई-झगड़े की स्थिति हमेशा ही बनी रहेगी । सेक्सुअली भी एक- दूसरे को आकर्षित नहीं कर पाएँगे । संबंधों में विरोधाभास बना रहेगा ।

fortune-teller.in

अष्टकूट विश्लेषण - II

मैत्री मेल

ग्रह मैत्री - 0 / 5

You shall share a friendly relationship with similar interests and opinions. You shall make optimum use of your political intelligence. You shall be successful in reaching high office. Religious sentiments shall be strong.

सामाजिक दायित्व

गण - 6 / 6

अति उत्तम संबंध, परस्पर प्रेम एक-दूसरे की मनोभावनाओं को समझेंगे । एक-दूसरे के बीच सामंजस्य की स्थिति होगी, बनी रहेगी । हमेशा एक-दूसरे के प्रति आकर्षण बना रहेगा एवं दोनों एक-दूसरे के लिए बिलकुल उपयुक्त होंगे । एक-दूसरे के पूरक होंगे ।

रचनात्मक क्षमता

भकूट - 7 / 7

एक-दूसरे के प्रति आकर्षण मध्यम रहेगा । दोनों के बीच अनुराग, प्रेम ठीक-ठाक रहेगा । रचनात्मक क्षमता मध्यम रहेगी । आपसी कलह न के बराबर होंगे । तालमेल ठीक रहेगा ।

संतान

नाड़ी - 8 / 8

जीवन उर्जा से भरा रहेगा, यानी दोनों क्रियाशील होंगे ,दोनों उर्जावान होंगे । दोनों से उत्पन्न संतान प्रभावशाली, यानी बहुत नाम कमाने वाला होगा । स्वास्थ्य संबंधी कोई बड़ी कठिनाई नहीं होगी, जीवन सुखमय बीतेगा ।

fortune-teller.in

व्यक्तित्व विवेचना

Groom व्यक्तित्व विवेचना

सिंह राशि के व्यक्ति, उदार अभिमानी, भावुक, रोमांटिक, बहिर्मुखी, निष्प्रभावी , घमंडी, साहसी, संवेदनशील , आत्म-विश्वासी और आडम्बरी होते हैं और वे जहाँ भी जाते हैं और जो भी करते हैं उस में सफल होना चाहते हैं, सबसे आगे निकलना चाहते हैं ।

सिंह राशि के व्यक्ति "शासन" करना पसंद करते हैं और अपने "राजसी व्यक्तित्व" के कारण सदा सम्मान प्राप्त करते हैं । आप जोखिम लेना पसंद करते हैं और कभी कभी दुसाह्सी हो सकते है, लेकिन आप को निश्चित रुप से जीवन निर्वाह में दिलचस्पी है।

> "कोई आपके गौरव को चोट पहुंचाए या आप के प्रति कृतघ्नता प्रदर्शित करे ये आपके लिए अत्यंत दुःख की बात हो सकती है।

आप प्रेम के मामलों में अपनी भावनाएं खुलेआम प्रदर्शित करते है और आपको ऐसे एक साथी की जरूरत है जिस पर आप गर्व कर सकें –और यह भी चाहते हैं कि आपका साथी भी आप पर गर्व करे ।

आप जिन व्यक्तिओं से प्रेम करते हैं उनके प्रति वफादार और उन के रक्षक रहते हैं। आप तुनकमिजाज हो सकते हैं , लेकिन आप अधिक देर तक किसी से नाराज़ नहीं रह सकते । जीवन एक रंगमंच की तरह है और इसमे आप महान भूमिका निभाना पसंद करते हैं और आसपास होने वाली घटनाओं को अनुभव करते हैं ।

Bride व्यक्तित्व विवेचना

मिथुन राशि के व्यक्ति मित्रवत, अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाने में कुशल, मिलनसार, अस्थिरचित्त, अनिश्चित,एक समय पर एक साथ दो या अधिक कार्यों में रुचि लेने वाले, हाज़िर जवाब,बुद्धिमान , मानसिक रुप से अधिक सक्रिय ,अति-भावुक ,थोड़े तुनकमिज़ाज अशांत या घबरा जाने वाले , वाचाल , अगंभीर और हमेशा कुछ अलग करने के लिए तैयार रहने वाले होते हैं ।

मिथुन राशि दो जुड़वाँ बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है,इसलिए आपके व्यक्तित्व के भी दो अलग अलग पक्ष हो सकते हैं । आप जो पहले से ही जानते हैं और उससे अधिक सीखने के लिए आपको यह बात लोगों तक पहुचाने की प्रबल आवश्यकता है।

> "आप पढ़ने और यात्रा करने में आनंद लेते हैं और इन दोनों कार्यों में नवीनतम ज्ञान प्राप्ति की ढेरों संभावनाएं हैं। आपको विविधता पसंद है और ऐसा हो सकता है कि आप सभी कार्यों में थोड़े थोड़े निपुण हों लेकिन किसी भी कार्य में पूर्णतः प्रवीण ना हों।

आपका रुझान विस्तृत रुप से बातों के विस्तार में होगा लेकिन आप उनकी गहराई में जाने का प्रयत्न नहीं करेंगे । आप उपर से आत्मविश्वासपूर्ण दिखाई दे सकते हैं, लेकिन आप में आत्मविश्वास और आंतरिक स्थिरता की कमी हो सकती है ।

आप को बोलना अच्छा लगता है ,अपने मुँह से और साथ ही हाथों के इस्तेमाल से ।

fortune-teller.in

विशेषता - लक्षण

सकारात्मक लक्षण

Groom

क्रियाशील | स्वतंत्र विचारक | सक्रिय | साहसी

Bride

प्रज्ञात्मक | योजनाकार | बहुमुखी अनुकूलनीय | तार्किक

नकारात्मक लक्षण

Groom

अहंकारी | असहिष्णु | जिद्दी | अभिमानी

Bride

ढुलमुल मन | अधीर | गपशप करना | तिकड़मबाज

fortune-teller.in

अष्टकूट

लड़का और लड़की की कुंडलियों के अष्टकूट मिलान से उन्हें 36 अँको में से 26 अंक प्राप्त हुए हैं. यह एक उत्तम स्कोर है. परन्तु दोनों के ग्रह मैत्री के गुणांक कम है. यह इस जोड़ी के बीच मानसिक सद्भाव और समन्वय की कमी को दर्शाता है। इसलिए, अष्टकूट विश्लेषण के अनुसार, यह एक अच्छा मैच नहीं है।

मांगलिक

लड़का मांगलिक नहीं है; और न ही लड़की मांगलिक है। दोनों कुंडलियों में मंगल दोष अनुपस्थित होने के कारण भविष्य में उनके वैवाहिक जीवन पर कोई कुप्रभाव नहीं पड़ेगा यह विवाह किया जा सकता है।

मिलान निष्कर्ष

> " विवाह के लिए यह एक अत्त्युत्तम जोड़ी है. यह युगल एक लंबे समय तक स्थायी रिश्ते में बंधे रहेंगा , जो सुख और समृद्धि के भरा होगा ।

fortune-teller.in

Fortune-Teller is a young and vibrant company that aims to provide good quality products. Fortune-Teller caters to the fashion needs of all generation. Our aim is to provide cost effective and quality products to our clients. We have support of different business professionals to ensure the quality services. We assume that our customers are our assets and they are helping us in our growth.

FORTUNE TELLER

Fortune Teller
https://www.fortune-teller.in
support@fortune-teller.in